



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 146]

No. 146]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 13, 2003/ज्येष्ठ 23, 1925
NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 13, 2003/JYAIETHA 23, 1925

ज्ञान मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, 13 जून, 2003

एफ. सं. 11(27)/99-ज्ञान-1.—भारत सरकार ने इस मंत्रालय के संकल्प सं. 11(27)/99-ज्ञान-1 दिनांक 23 मई, 2002 में भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के घोषणा पत्र के साथ-साथ व्यय सुधार आयोग के सुझावों के कार्यान्वयन के लिए एक "विशेषज्ञ समिति" गठित की थी। विशेष समिति ने 31 दिसम्बर, 2002 को सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

2. विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद सरकार ने भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के कार्यकलापों और उत्तरदायित्वों के घोषणा पत्र के संबंध में की गई सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है।

3. भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के कार्यकलापों और उत्तरदायित्वों से संबंधित घोषणा पत्र संलग्न अनुबंध में दिया गया है।

सी. डी. आदा, सचिव

अनुबन्ध

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के कार्यकलापों और उत्तरदायित्वों से सम्बन्धित घोषणा पत्र

1. देश तथा इसके अपतटीय क्षेत्र के भू-वैज्ञानिक, भू-भौतिकीय और भू-रासायनिक मानचित्र तैयार करना तथा उनको अद्यतन करना।
2. देश और इसके अपतटीय क्षेत्रों के खनिज तथा ऊर्जा संसाधनों का गवेषण और आकलन करना।
3. देश के उथले उप-स्तरी क्षेत्र का सुनियोजित गवेषण तथा राष्ट्रीय द्विज कोर लाइब्रेरियों और प्रलेखन केन्द्रों को विकसित करना तथा उनका अनुरक्षण करना।
4. भू-विज्ञान में अनुसंधान करना तथा भू-प्रणाली और इसके संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन के लिए नई जानकारी के अनुप्रयोग को बढ़ावा देना।
5. भू-वैज्ञानिक आपदाओं से जान और माल के जोखिम को कम करने हेतु भू-वैज्ञानिक जानकारी का जनसाधारण में बढ़ावा देना और उसका प्रचार-प्रसार करना तथा जीवन के स्तर में सुधार लाने के लिए सामाजिक मुद्दों को सुलझाना।
6. भू-विज्ञान आंकड़ा आधार सृजित करना तथा उसका रखरखाव करना और विभिन्न संगठनों द्वारा सृजित किए गए भू-विज्ञान आंकड़ों के राष्ट्रीय भंडार के रूप में कार्य करना तथा विकासात्मक, शैक्षिक और सामाजिक आवश्यकताओं के लिए जन-जन तक इनका प्रचार-प्रसार करना।

7. भू-वैज्ञानिक सामग्रियों के दुर्लभ और घोटक नमूना संग्रहों को राष्ट्रीय भू-वैज्ञानिक स्मारकों, संग्रहालयों और पार्कों के रूप में रखना, उनको संरक्षित करना और उनका अनुरक्षण करना।
8. अंतर्राष्ट्रीय निकायों में भारत का प्रतिनिधित्व करना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी वैज्ञानिक परियोजनाओं में भाग लेना तथा अन्य देशों के साथ डाटा शेयरिंग नेट वर्क्स विकसित करना।
9. देश और विदेश में परामर्शी सेवाएं प्रदान करना तथा व्यापारिक परियोजनाएं शुरू करना।
10. प्रशिक्षण सहित ऐसी अन्य गतिविधियां जो भू और भू-मंडलीय विज्ञानों तथा सम्बन्धित विषयों के क्षेत्र में हुए विकास को ध्यान में रखते हुए आवश्यक हो, को शुरू करना।

MINISTRY OF MINES

RESOLUTION

New Delhi, the 13th June, 2003

F. No. 11(27)/99-M-I.—The Government of India in this Ministry's Resolution No.11(27)/99-M-I dated the 23rd May, 2002 had set up an 'Expert Committee' for implementation of the suggestions of the Expenditure Reforms Commission inter-alia on revision of the Charter of the Geological Survey of India. The Expert Committee has submitted its report to the Government on 31st December, 2002.

2. After careful consideration of the recommendations of the Expert Committee, Government has accepted the recommendations in regard to the Charter of Functions and Responsibilities of Geological Survey of India.

3. The Charter relating to the Functions and Responsibilities of the Geological Survey of India is set out in the Annexure enclosed.

C. D. ARHA, Secy.

ANNEXURE

CHARTER RELATING TO THE FUNCTIONS AND RESPONSIBILITIES OF THE GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

1. Preparing and updating geological, geophysical and geochemical maps of the country and its offshore area.
2. Exploring and assessing mineral and energy resources of the country and its offshore areas.
3. Systematically exploring the shallow subsurface domain of the country and developing and maintaining national drill core libraries and documentation centers.
4. Conducting research in earth sciences and promoting application of the new knowledge for effecting management of the earth system and its resources.
5. Fostering and promoting the understanding of geological knowledge to reduce risk to life and property from geological hazards and addressing societal issues to enhance quality of life.
6. Creating and maintaining earth science data basis and acting as the national repository of earth science data generated by various organizations and disseminating these in public domain for developmental, educational and societal needs.
7. Holding, protecting and maintaining collections of rare and representative geological materials as national geological monuments, museums and parks.
8. Representing India in international bodies, participating in international collaborative scientific projects and developing data sharing net works with other countries.
9. Providing consultancy services and undertaking commercial projects in the country and abroad.
10. Undertaking such other activities, including training, as may become necessary in the light of developments in the field of earth and planetary sciences and related subjects.